[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 515 **G**

Unique Paper Code : 2312102301

Name of the Paper : History of India – III (c. 750-1200)

Name of the Course : **Bachelor of Arts (Honours Course) History**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Evaluate the textual and inscriptional sources relevant for the period of your study.

आपके अध्ययन काल के लिए उपलब्ध साहित्यिक एवं अभिलेखीय साक्ष्यों का मूल्यांकन कीजिए।

2. Critically evaluate the 'Indian Feudalism' model for early Medieval India.

आरंभिक मध्यकाल के लिए 'भारतीय सामंतवाद' प्रारूप का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Or

Analyse the usefulness of the 'Integrative Polity' model for understanding the early medieval India.

आरंभिक मध्यकालीन भारत को समझने के लिए 'समेकनकारी राज्यव्यवस्था' प्रारूप की उपादेयता का विश्लेषण कीजिए।

3. How far is the Segmentary State model a satisfactory explanation of the structure of the Chola state?

'विखंडीय राज्य' प्रारूप चोल राज्य की संरचना की किस हद तक संतोषजनक व्याख्या करता है?

Or

Is it rational to perceive the Ghaznavid invasions as 'foreign' invasions on 'India'? Explain in the light of contemporary sources.

क्या ग़ज़नवी आक्रमणों को 'भारत' पर 'विदेशी' आक्रमणों के रूप में देखना तार्किक है? समकालीन स्रोतों के प्रकाश में व्याख्या कीजिए।

4. Describe the rise and growth of urban centres during c. 750-1200 CE.

लगभग 750 से 1200 ईस्वी के दौरान नगरीय केन्द्रों के उदय और संवृद्धि का वर्णन कीजिए।

5. Discuss different aspects related to the phenomenon of agrarian expansion during the period of your study. Also analyse its impact on the society.

आपके अध्ययन काल के दौरान कृषि के विस्तार से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं की चर्चा कीजिए।

6. Discuss the different strands of Bhakti Movement in South India. How far did it challenge the contemporary social structure?

दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कीजिए। समकालीन सामाजिक व्यवस्था को इसने किस हद तक चुनौती दी?

7. Analyze different regional styles of religious architecture that manifested in early medieval India.

आरंभिक मध्यकालीन भारत के विभिन्न धार्मिक स्थापत्य शैलियों का विश्लेषण कीजिए।

8. Write short notes on **any two** of the following :

निम्न में से **किन्हीं दो** पर लघु टिप्पणियां कीजिए :

(a) Origins of Rajputs

राजपूतों का उदय

(b) Temples and Brahmanas as symbols of political power

राजनैतिक सत्ता के प्रतीकों के रूप में मंदिर एवं ब्राह्मण

(c) Merchant guilds of south India

दक्षिण भारत की व्यापारी संघ

(d) Origins of Tantricism

तंत्रवाद के उदगम